पहली बार, कौशल इकोसिस्टम के उद्यमियों को गणतंत्र दिवस समारोह में अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया, जो माननीय प्रधान मंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व का एक प्रमाण है - श्री धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, 26 जनवरी, 2024 - भारत को जॉब सृजनकर्ताओं का देश बनाने के लिए माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न के अनुरूप, माननीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री, भारत सरकार श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 100 से अधिक उद्यमियों के साथ बातचीत की जिन्हें राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड), भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई) और कौशल भारत की महत्वाकांक्षी स्कीम- प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) जैसे विभिन्न कौशल विकास संस्थानों के तहत प्रशिक्षित किया गया है। श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, "यह पहली बार है कि कौशल कौशल इकोसिस्टम के उद्यमियों को गणतंत्र दिवस समारोह में अतिथि होने का सम्मान दिया गया है, जो माननीय प्रधान मंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है।"

श्री निर्मलजीत सिंह कलसी, अध्यक्ष, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी), श्री अतुल कुमार तिवारी, सचिव, कौशल विकास और उद्यमशिलता मंत्रालय (एमएसडीई) और श्रीमती त्रिशालजीत सेठी, महानिदेशक, प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) भी ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

इस कार्यक्रम के दौरान, उद्यमियों ने यह जानकारी साझा की कि कैसे कुशल भारत मिशन के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण उनकी क्षमताओं, समस्या-समाधान क्षमताओं को बढ़ाने और अपने उत्पादों के विपणन के लिए अद्वितीय विभेदक स्थापित करने में सहायक रहा है। उन सभी ने उन्हें ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण और अमूल्य उद्योग अनुभव प्रदान करने, उन्हें अपने जीवन को बदलने और अपनी आकांक्षाओं को मूर्त वास्तविकताओं में बदलने के लिए सशक्त बनाने हेतु माननीय प्रधान मंत्री और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया।

माननीय शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री भारत सरकार के श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा "आज, मुझे हमारे कौशल इकोसिस्टम के लाभार्थियों के साथ व्यावहारिक बातचीत में शामिल होने का सौभाग्य मिला। उद्यमशीलता से आत्मनिर्भरता तक की उनकी यात्रा का साक्षी बनना वास्तव में प्रेरणादायक है। ये छोटे और सूक्ष्म उद्यमी देश की विकास यात्रा में एक नया योगदान देने के लिए तैयार हैं। मोदी जी की सरकार के अंतर्गत, गरीबों और वंचितों के लिए समर्पित सरकार, #मोदीगारंटी भोजन और आवास जैसी आवश्यक चीजों से लेकर व्यापक कौशल विकास और सामाजिक-सुरक्षा समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को सशक्त बनाना इस प्रशासन की आधारशिला है, आम नागरिक मोदी जी की अटूट प्राथमिकता है।"

कुछ उद्यमियों को अपने अनुभव साझा करने, चुनौतियों के बारे में बात करने और कुशल भारत मिशन के तहत उचित कौशल प्रशिक्षण के साथ अपने परीक्षणों को अवसरों में बदलने में सक्षम होने के बारे में विस्तार से बताने के लिए भी मंच पर आमंत्रित किया गया था। अपर गोम, दक्षिण सिक्किम की दूरदर्शी महिला उद्यमी शीतल तमांग जैसी चैंपियन अपने उद्यम- सिक्किम हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट्स के माध्यम से देश के विकास पथ को नया आकार दे रही हैं। अपने नेतृत्व में 20 कर्मचारियों के साथ, तमांग की प्रतिबद्धता जीवन में आए बदलावों में प्रतिध्वनित होती है - जो उनकी उद्यमशीलता की भावना का वास्तविक प्रमाण है।

इसी तरह, इंद्रजीत साधुखान जैसे उद्यमियों द्वारा उठाए गए साहसिक कदमों की सराहना की गई, जिन्होंने वर्ष 2020 में रेफ्रिजरेशन और एयर कंडीशनिंग में कोर्स करके एक समृद्ध व्यवसाय स्थापित किया, जो महत्वाकांक्षी उद्यमियों के लिए एक प्रेरणा के रूप में काम कर रहा है। कोविड-19 महामारी की चुनौतियों के बीच, श्री संजीत ने असाधारण लचीलेपन और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए वर्ष 2021 में श्री इलेक्ट्रिकल की स्थापना की और कौशल विकास के माध्यम से सफलता प्राप्त की। एक प्रेरणादायक कहानी ओडिशा की महिला

उद्यमी ज्योतिर्मयी साहू की भी है। आत्म-सशक्तिकरण के प्रति सक्रिय दृष्टिकोण वाले एक स्नातक ने मशरूम उत्पादक उद्यमशीलता में एक परिवर्तनकारी पाठ्यक्रम अपनाया और मशरूम की खेती में एक उल्लेखनीय यात्रा शुरू की। ज्योतिर्मयी का स्टार्ट-अप छह माह के भीतर फला-फूला और उल्लेखनीय सफलता हासिल की।

आधुनिक युग पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ उद्यमशीलता इकोसिस्टम को अपने दृष्टिकोण में अधिक परिणाम-संचालित, सुलभ और समग्र बनाने की दृष्टि से प्रेरित, उद्योग 4.0 और उन्नत प्रौद्योगिकियों के साथ, उद्यमियों, छात्रों और अन्य लाभार्थियों को प्रासंगिक ज्ञान और कौशल से लैस करने के लिए कई स्कीमें शुरू की जा रही हैं जो तेजी से विकसित हो रही उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप हैं। इसे प्राप्त करने के लिए, पीएम विश्वकर्मा जैसी स्कीमें और एक व्यापक डिजिटल प्लेटफॉर्म - स्किल इंडिया डिजिटल (एसआईडी) शुरू किया गया है ताकि शिक्षा तथा उद्योग के अंतर को पाटने और अगले कुछ वर्षों में भारत को तीसरे सबसे बड़े स्टार्ट-अप इकोसिस्टम से शीर्ष पर लाने के लिए, रचनात्मक सोच, टीम वर्क और व्यवसाय वृद्धि जैसे उद्यमशीलता कौशल की एक श्रृंखला विकसित हो सके।

मंत्री जी ने व्यावसायिक प्रशिक्षण लेने के लिए उद्यमियों की सराहना की और उन्हें भारत में कौशल विकास और उद्यमशीलता इकोसिस्टम में एक नई सुबह की शुरुआत करने के लिए प्रोत्साहित किया। ओडिशा, केरल, सिक्किम, मणिपुर, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना जैसे राज्यों और देश के विभिन्न हिस्सों से आए उद्यमी इस कार्यक्रम में जुटे और आज गणतंत्र दिवस परेड में भाग ले रहे हैं। वे सभी सौंदर्य और कल्याण, हस्तनिर्मित, सौंदर्य चिकित्सक, दर्जी, सिलाई मशीन ऑपरेटर और कंप्यूटर ऑपरेटर जैसे कई उद्योगों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

यह स्वीकार करते हुए कि भारत के युवाओं को कौशल प्रदान करना स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के लिए महत्वपूर्ण है, एमएसडीई की विभिन्न पहल समाज की भलाई के लिए विकास, रोजगार सृजन, उत्पादकता और दक्षता को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए प्रयत्नशील है।